जिलाधिकारी एवं समाहर्त्ता
13 NOV 2014
568
जहानाबाद

श्री अमृत लाल मीणा, प्रधान सचिव, कृषि विभाग–सह–प्रभारी सचिव, जहानाबाद द्वारा दिनांक 02.11.2014 को जहानाबाद जिले की भ्रमण टिप्पणी :–

जहानाबाद जिले के प्रभारी सचिव के रूप में मैंने दिनांक 02.11.2014 को जहानाबाद समाहरणालय में विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की, जिसमें जिला पदाधिकारी, उप विकास आयुक्त, जिला कृषि पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी एवं अन्य संबद्ध पदाधिकारी उपस्थित थे।

2. **समाज कल्याण विभाग** :– समाज कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा के क्रम में यह देखा गया कि पेंशन योजनाओं की स्वीकृति ससमय नहीं हो पा रही है जबकि सभी पेंशन योजनाओं में स्वीकृति समयसीमा के अंदर करने का प्रावधान है एवं यह RTPS के अंतर्गत सेवाओं के रूप में भी अधिसूचित है। इसके बावजूद भी कई कार्यक्रमों में निर्धनतम पात्र परिवार लाभ से वंचित रह रहे हैं। इसका कारण यह है कि वे RTPS काउंटर पर भौतिक रूप से उपस्थित नहीं हो पाते हैं।

2.1 कार्यक्रमों का लाभ पात्र व्यक्तियों को सुनिश्चित करने के प्रयोजन से समीक्षा में ऐसा सुझाव आया कि वैसे आवेदक, जो स्वयं RTPS काउंटर नहीं आ सकते, उनके आवेदन पत्र संबंधित पंचायत के विकास मित्र एवं ग्रामीण आवास सहायक के माध्यम से संग्रहित करके RTPS काउंटर पर जमा कराने की व्यवस्था किए जाने से ऐसे गरीब लोगों का आच्छादन बढ़ सकेगा।

2.2 तदनुसार समाज कल्याण विभाग के स्तर से इस संबंध में अग्रेत्तर कार्रवाई अपेक्षित है। उल्लेखनीय है कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय द्वारा भी इस पर विचार करने की इच्छा व्यक्त की गयी है।

3. **कृषि विभाग** :– कृषि विभाग की योजनाओं की समीक्षा के क्रम में पाया गया कि जिले में मसूर एवं चना बीज की उपलबधता की कमी है। इस हेतु जिला कृषि पदाधिकारी को अग्रेत्तर कार्रवाई करके बीज की उपलब्धता सुनिश्चित कराने का निदेश दिया गया।

3.1 श्री सूर्य कुमार राम, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, घोसी की अनधिकृत अनुपस्थिति हेतु जिला पदाधिकारी, जहानाबाद द्वारा निलंबन की अनुशंसा की गयी। इस हेतु निदेशक (कृषि) को अग्रेत्तर कार्रवाई करने हेतु निदेशित किया गया है।

3.2 रतनी फरीदपुर, घोसी, हुलासगंज के प्रखंड कृषि पदाधिकारियों के रिक्त पदों पर शीघ्र पदस्थापन हेतु निदेशक (कृषि) को निदेशित किया गया है।

3.3 जिले में रबी उपादान वितरण कार्यक्रम अभी तक प्रचारित नहीं हो पाया है। यह देखा गया कि इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारियों को शिविरों की कोई जानकारी नहीं है, जो जिला कृषि पदाधिकारी के स्तर से कमजोर प्रबंधन का प्रतीक है। जिला कृषि पदाधिकारी को कड़ा निर्देश दिया गया कि वे इस कार्यक्रम की व्यापक प्रचार–प्रसार करके शत–प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करायें।

3.4 जिले में उत्तर प्रदेश बीज निगम का कोई भी डीलर उपलब्ध नहीं पाया गया। इसकी व्यवस्था करने हेतु जिला कृषि पदाधिकारी को निदेशित किया गया।